Class 10 Hindi (NCERT) – गिरिजाकुमार माथुर

80 Marks Question Paper with Detailed Answers (Exam-Oriented)

Time: 3 Hours
Maximum Marks: 80

General Instructions:

1. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
2. जहाँ आवश्यक हो, अपने शब्दों में उत्तर लिखें।
3. उत्तर लिखते समय भाषा शुद्ध और स्पष्ट रखें।
4. अंक प्रश्नों के सामने दिए गए हैं।

Section A – अति लघु उत्तरीय प्रश्न (1×10 = 10 अंक)

निम्न प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए:

1. गिरिजाकुमार माथुर किस आंदोलन से जुड़े थे?
उत्तर: गिरिजाकुमार माथुर नई कविता आंदोलन से जुड़े प्रमुख कवि थे। उन्होंने आधुनिक हिंदी कविता को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

2. उनकी कविता का मुख्य स्वर क्या है?
उत्तर: उनकी कविता का मुख्य स्वर मानवता, आशावाद और सामाजिक चेतना है। वे जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का संदेश देते हैं।

3. नई कविता की एक विशेषता लिखिए।
उत्तर: नई कविता की प्रमुख विशेषता मुक्त छंद का प्रयोग और आधुनिक जीवन की वास्तविकताओं का चित्रण है।

4. गिरिजाकुमार माथुर की भाषा कैसी है?
उत्तर: उनकी भाषा सरल, सहज, प्रभावशाली और संप्रेषणीय है, जिससे सामान्य पाठक भी आसानी से समझ सके।

5. कवि किस माध्यम से जुड़े रहे?
उत्तर: गिरिजाकुमार माथुर आकाशवाणी से जुड़े रहे और प्रसारण क्षेत्र में भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

6. उनकी कविता में कौन-सी भावना प्रमुख है?
उत्तर: उनकी कविता में मानवीय संवेदना और आशावाद प्रमुख रूप से दिखाई देता है।

7. 'मुक्त छंद' का क्या अर्थ है?
उत्तर: मुक्त छंद वह कविता होती है जिसमें पारंपरिक छंदों के नियमों का पालन नहीं किया जाता और कवि स्वतंत्र रूप से भाव व्यक्त करता है।

8. कवि किस प्रकार की सोच के पक्षधर थे?
उत्तर: वे प्रगतिशील और आधुनिक सोच के पक्षधर थे।

9. उनकी कविताएँ किस युग का प्रतिनिधित्व करती हैं?
उत्तर: उनकी कविताएँ आधुनिक हिंदी साहित्य के युग का प्रतिनिधित्व करती हैं।

10. कविता का मुख्य उद्देश्य क्या है?
उत्तर: कविता का मुख्य उद्देश्य समाज को जागरूक करना, संवेदनशील बनाना और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि विकसित करना है।

Section B – लघु उत्तरीय प्रश्न (2×10 = 20 अंक)

(प्रत्येक उत्तर लगभग 40–60 शब्द)

11. गिरिजाकुमार माथुर की काव्य भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।
उत्तर: गिरिजाकुमार माथुर की काव्य भाषा की प्रमुख विशेषताएँ सरलता और संप्रेषणीयता हैं। वे कठिन और जटिल शब्दों से बचते हैं तथा सीधे हृदय को छूने वाली अभिव्यक्ति का प्रयोग करते हैं। उनकी भाषा में आधुनिकता का स्पर्श भी मिलता है, जिससे कविता प्रभावशाली बनती है।

12. नई कविता आंदोलन से आप क्या समझते हैं?
उत्तर: नई कविता आंदोलन हिंदी साहित्य का वह चरण है जिसमें कवियों ने पारंपरिक बंधनों से हटकर आधुनिक जीवन की वास्तविकताओं, व्यक्तिगत अनुभूतियों और सामाजिक समस्याओं को मुक्त छंद में व्यक्त किया। इसमें भावों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति और यथार्थवाद प्रमुख है।

13. कवि की रचनाओं में सामाजिक चेतना कैसे दिखाई देती है?
उत्तर: कवि समाज की समस्याओं, आम आदमी के संघर्ष और बदलते समय की चुनौतियों को अपनी कविता का विषय बनाते हैं। वे पाठकों को संवेदनशील और जागरूक बनने की प्रेरणा देते हैं, जिससे सामाजिक चेतना स्पष्ट रूप से प्रकट होती है।

14. गिरिजाकुमार माथुर की कविता विद्यार्थियों को क्या संदेश देती है?
उत्तर: उनकी कविता विद्यार्थियों को आशावादी बनने, कठिन परिस्थितियों में धैर्य रखने और समाज के प्रति जिम्मेदार रहने का संदेश देती है। वे सकारात्मक सोच और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं।

15. कवि की शैली को सरल क्यों कहा जाता है?
उत्तर: कवि की शैली सरल इसलिए कही जाती है क्योंकि वे सहज शब्दावली और स्पष्ट अभिव्यक्ति का प्रयोग करते हैं। उनकी कविता में अनावश्यक अलंकारों की भरमार नहीं होती, जिससे पाठक आसानी से भाव समझ पाता है।

16. उनकी कविताओं में आशावाद कैसे प्रकट होता है**?**
उत्तर**:** उनकी कविताओं में जीवन की कठिनाइयों के बावजूद उम्मीद बनाए रखने का संदेश मिलता है। वे निराशा के स्थान पर सकारात्मक सोच और भविष्य के प्रति विश्वास को महत्व देते हैं।

17. मानवीय संवेदना से कवि का क्या आशय है**?**
उत्तर**:** मानवीय संवेदना से कवि का आशय मनुष्य के दुख-दर्द को समझने, सहानुभूति रखने और दूसरों के प्रति करुणा का भाव विकसित करने से है। उनकी कविताएँ मानवता को सर्वोच्च मूल्य मानती हैं।

18. कवि ने आधुनिक जीवन को किस प्रकार प्रस्तुत किया है**?**
उत्तर**:** कवि ने आधुनिक जीवन की जटिलताओं, तनाव, संघर्ष और बदलती परिस्थितियों को यथार्थ रूप में प्रस्तुत किया है। वे आधुनिक मनुष्य की मनःस्थिति को संवेदनशील ढंग से व्यक्त करते हैं।

19. गिरिजाकुमार माथुर का हिंदी साहित्य में योगदान लिखिए।
उत्तर**:** उन्होंने नई कविता आंदोलन को सशक्त बनाया, आधुनिक संवेदनाओं को कविता में स्थान दिया और सरल भाषा में गहरी भावनाएँ व्यक्त कीं। उनके योगदान से हिंदी कविता को नई दिशा और विस्तार मिला।

20. नई कविता और परंपरागत कविता में एक अंतर लिखिए।
उत्तर**:** परंपरागत कविता छंदबद्ध और अलंकारप्रधान होती है, जबकि नई कविता मुक्त छंद में लिखी जाती है और आधुनिक जीवन की वास्तविकताओं पर आधारित होती है।

Section C – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5×6 = 30 अंक)

(प्रत्येक उत्तर लगभग 120–150 शब्द)

21. गिरिजाकुमार माथुर की काव्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
उत्तर**:** गिरिजाकुमार माथुर आधुनिक हिंदी कविता के महत्वपूर्ण कवि हैं। उनकी कविता की प्रमुख विशेषता सरल भाषा और गहरी संवेदना है। वे मुक्त छंद का प्रयोग करते हैं और प्रतीकों के माध्यम से अपने भाव व्यक्त करते हैं। उनकी रचनाओं में मानवता, सामाजिक चेतना और आशावाद स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। वे आधुनिक जीवन की समस्याओं को यथार्थ रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनकी शैली चित्रात्मक और प्रभावशाली है, जिससे पाठक सीधे जुड़ जाता है। नई कविता आंदोलन में उनका योगदान उल्लेखनीय है। उन्होंने कविता को केवल सौंदर्य तक सीमित न रखकर उसे समाज से जोड़ा। इस प्रकार उनकी काव्य विशेषताएँ उन्हें आधुनिक हिंदी साहित्य में विशिष्ट स्थान दिलाती हैं।

---

22. नई कविता आंदोलन में गिरिजाकुमार माथुर की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
उत्तर**:** नई कविता आंदोलन हिंदी साहित्य में परिवर्तन का महत्वपूर्ण चरण था। इस आंदोलन का उद्देश्य कविता को पारंपरिक बंधनों से मुक्त कर आधुनिक जीवन से जोड़ना था। गिरिजाकुमार माथुर इस आंदोलन के प्रमुख समर्थकों में थे। उन्होंने मुक्त छंद का प्रयोग करते हुए व्यक्तिगत अनुभूतियों, सामाजिक समस्याओं और आधुनिक मनुष्य की संवेदनाओं को अपनी कविता का विषय बनाया। उनकी रचनाओं में यथार्थवाद और प्रतीकात्मकता का सुंदर समन्वय मिलता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि कविता केवल अलंकारों की सजावट नहीं, बल्कि जीवन की सच्चाइयों को व्यक्त करने का माध्यम है। उनके प्रयासों से नई कविता आंदोलन को व्यापक स्वीकृति मिली और हिंदी कविता को नई दिशा प्राप्त हुई।

---

23. गिरिजाकुमार माथुर की कविताओं में मानवता का स्वर कैसे प्रकट हुआ है?
उत्तर: गिरिजाकुमार माथुर की कविताओं में मानवता का स्वर अत्यंत प्रभावशाली रूप में दिखाई देता है। वे मनुष्य के दुख-दर्द, संघर्ष और भावनाओं को गहराई से समझते हैं। उनकी रचनाएँ हमें दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा देती हैं। कवि मानता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान उसकी मानवता है। इसलिए उनकी कविताओं में करुणा, प्रेम और सहयोग की भावना प्रमुख है। वे पाठकों को यह संदेश देते हैं कि समाज तभी बेहतर बन सकता है जब हम एक-दूसरे के दुख को समझें और मदद के लिए आगे आएँ। इस प्रकार उनकी कविताएँ मानवीय मूल्यों को मजबूत करती हैं।

---

24. कवि की भाषा और शैली पर टिप्पणी कीजिए।
उत्तर: गिरिजाकुमार माथुर की भाषा सरल, सहज और अत्यंत प्रभावशाली है। वे जटिल और कठिन शब्दों के बजाय बोलचाल के शब्दों का प्रयोग करते हैं, जिससे उनकी कविता आम पाठक तक आसानी से पहुँचती है। उनकी शैली चित्रात्मक और प्रतीकात्मक है, जो भावों को गहराई प्रदान करती है। वे मुक्त छंद का प्रयोग करते हैं, जिससे अभिव्यक्ति में स्वतंत्रता मिलती है। उनकी रचनाओं में अनावश्यक अलंकारों की भरमार नहीं है, बल्कि भावों की स्पष्टता पर अधिक ध्यान दिया गया है। यही कारण है कि उनकी कविता पढ़ते समय पाठक सीधे भावों से जुड़ जाता है। उनकी भाषा और शैली आधुनिक हिंदी कविता की महत्वपूर्ण पहचान है।

---

25. गिरिजाकुमार माथुर की रचनाएँ आज भी प्रासंगिक क्यों हैं?
उत्तर: गिरिजाकुमार माथुर की रचनाएँ आज भी प्रासंगिक हैं क्योंकि उनमें व्यक्त समस्याएँ और विचार आज के समाज से भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने आधुनिक जीवन की जटिलताओं, तनाव और मानवीय संबंधों की संवेदनशीलता को चित्रित किया है। उनकी कविताएँ आशा, सकारात्मक सोच और मानवता का संदेश देती हैं, जिसकी आवश्यकता हर युग में रहती है। वर्तमान समय में जब समाज में संवेदनशीलता कम होती जा रही है, तब उनकी कविताएँ हमें मानवीय मूल्यों की याद दिलाती हैं। सरल भाषा और प्रभावशाली शैली के कारण नई पीढ़ी भी उनसे आसानी से जुड़ पाती है। इसलिए उनकी रचनाएँ कालजयी और सदैव प्रासंगिक हैं।

---

26. इस अध्याय से विद्यार्थियों को मिलने वाली जीवन शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।
उत्तर: इस अध्याय से विद्यार्थियों को अनेक महत्वपूर्ण जीवन शिक्षाएँ मिलती हैं। सबसे पहले, यह पाठ हमें सकारात्मक सोच रखने की प्रेरणा देता है। कठिन परिस्थितियों में भी आशा बनाए रखना चाहिए। दूसरा, यह अध्याय मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का महत्व समझाता है। विद्यार्थियों को दूसरों के दुख-दर्द को समझना और सहायता के लिए आगे आना चाहिए। तीसरा, यह पाठ हमें आधुनिक जीवन की चुनौतियों का सामना साहस और धैर्य से करने की सीख देता है। साथ ही यह भी सिखाता है कि साहित्य केवल पढ़ने की चीज नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम है। इस प्रकार यह अध्याय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक है।

Section D – अंश आधारित प्रश्न (5×2 = 10 अंक)

27. कविताओं में किन तीन बातों का उल्लेख है?
उत्तर: आधुनिक जीवन की समस्याएँ, मानवीय संवेदनाएँ और आशा का स्वर।

28. कवि की भाषा कैसी है**?**
उत्तर**:** कवि की भाषा सरल और प्रभावशाली है।

29. उनकी कविताओं का मुख्य भाव क्या है**?**
उत्तर**:** उनकी कविताओं का मुख्य भाव मानवता और आशावाद है।

30. उपर्युक्त पंक्तियों का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
उत्तर**:** “गिरिजाकुमार माथुर की काव्य विशेषताएँ” (या कोई उपयुक्त शीर्षक)

31. ‘संवेदना’ शब्द का अर्थ लिखिए।
उत्तर**:** संवेदना का अर्थ है—दूसरों के दुख-दर्द को समझने और महसूस करने की भावना।

Section E – MCQs (1×10 = 10 अंक)

32-B, 33-C, 34-C, 35-C, 36-B, 37-B, 38-C, 39-B, 40-B, 41-B

Final Note for Students

इस गिरिजाकुमार माथुर प्रश्न पत्र का अभ्यास करने से आप—

- summary आधारित प्रश्न
- short & long answers
- MCQs
- value-based questions

सभी प्रकार के प्रश्नों के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएंगे।

नियमित अभ्यास करें, मुख्य बिंदुओं को याद रखें और अपने शब्दों में उत्तर लिखने का अभ्यास अवश्य करें। इससे परीक्षा में पूरे अंक प्राप्त करना आसान हो जाएगा।